स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक २६१ वि.सं. २०८३ बैशाख ०६ गते अँटवार थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 19 April 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

गोहुँके उत्पादन घटल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ४ बैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेशके प्रमुख खाद्यान्न बाली गोहुँके उत्पादन ओ उत्पादकत्व पाछेक बरसमे घट्टी गैल बा ।

तराई क्षेत्रमे उत्पादन तुलनात्मक रूपमे मजा देखगैलेसे फेन किसान गोहुँ खेतीप्रति निरुत्साहित हुइटी गैल बटै कलेसे पहाडी जिल्लामे उत्पादकत्व अत्यन्त न्यून रहल बा । गत आर्थिक बरस २०८१/०८२ के तथ्यांक अनुसार प्रदेशभर १ लाख ३२ हजार ७ सय ४५ हेक्टर क्षेत्रफलमे गोहुँ खेती करलमे कुल उत्पादन ३ लाख ४० हजार १ सय १४ मेट्रिक टन रहल बा । प्रदेशके औसत उत्पादकत्व २ दशमलव ५६ टन प्रतिहेक्टर किल रहल बा, जौन अपेक्षाकृत न्यून मानजाइठ् ।

कैलालीमे सबसे ढेर उत्पादकत्व डेखल बा । यहाँ ३८ हजार ८ सय ४० हेक्टर क्षेत्रफलमे खेती होके १ लाख ३० हजार १ सय १४ मेट्रिक टन उत्पादन हुइल बा । यहाँ प्रतिहेक्टर उत्पादकत्व ३ दशमलव ३५ टन पुगल बा ।

कञ्चनपुरमे ३१ हजार २ सय १० हेक्टरमे खेती होके १ लाख ३ हजार ९ सय २९ मेट्रिक टन उत्पादन हुइबर उत्पादकत्व ३ दशमलव ३३ टन प्रतिहेक्टर रहल बा । मने पहाडी जिल्लाके अवस्था कमजोर रहल बा । पहाडी जिल्लामध्ये डडेलधुरामे तुलनात्मक रूपमे ढेर उत्पादकत्व डेखजाइठ् । यहाँ ७ हजार ६ सय हेक्टर क्षेत्रफलमे १५ हजार ४ सय ८० मेट्रिक टन उत्पादन होके २ दशमलव ०४ टन प्रतिहेक्टर उत्पादकत्व रहल बा । ओकरपाछे दार्चुलामे ५ हजार ९ सय ५५ हेक्टरमे ११ हजार ४ सय १५ मेट्रिक टन उत्पादन होके १ दशमलव ९२ टन प्रतिहेक्टर उत्पादकत्व रहल बा । बझाडमे ९ हजार ३ सय ६५ हेक्टरमे १७ हजार ७ सय मेट्रिक टन उत्पादन हुइबर उत्पादकत्व १ दशमलव ८९ टन प्रतिहेक्टर रहल बा । अछाममे १० हजार ७ सय हेक्टर क्षेत्रफलमे १७ हजार २ सय ३१ मेट्रिक टन उत्पादन हुइबर उत्पादकत्व १ दशमलव १.६१ टन प्रतिहेक्टर रहल बा ।

बैतडीमे १२ हजार ३ सय ९० हेक्टरमे १९ हजार ८ सय २४ मेट्रिक टन उत्पादन हुइबर उत्पादकत्व १ दशमलव १.६० टन प्रतिहेक्टर रहल बा । बाजुरामे ६ हजार ४ सय हेक्टरमे ९ हजार ९ सय २० मेट्रिक टन उत्पादन होके १ दशमलव ५५ टन प्रतिहेक्टर उत्पादकत्व रहल बा । सबसे कम उत्पादकत्व डोटी जिल्लामे डेखल बा । यहाँ १० हजार २ सय ८५ हेक्टर क्षेत्रफलमे १४ हजार ५ सय २ मेट्रिक टन उत्पादन हुइबर प्रतिहेक्टर उत्पादकत्व १ दशमलव १.४१ टन किल रहल बा, जौन प्रदेशके न्यूनतममध्येमे परठ् ।

विज्ञके अनुसार पहाडी जिल्लामे रुखो जमिन, सिँचाइ अभाव, पर्याप्त मलखाद नैपाजैना तथा परम्परागत खेती प्रणाली नै कम उत्पादनके मुख्य कारण हो । साथे वन्यजन्तुसे हुइना क्षतिसे किसान थप मारमे परल बटै । तराई क्षेत्रमे उत्पादन मजा हुइलेसे फेन किसानके निराशा बहटी रहल बा । कञ्चनपुरके किसान बिनु चौधरी कहली, गहुँ खेतीमे लागत ढेर लागठ्, मने उत्पादन ओटरा नैहुइठ् । मल, बीउ ओ मजदुरी सक्कु महँगा रहल बा । ओहेमारे गहुँसे नाफा कम होके अन्य बाली ओर जैना बाध्य हुइल बटी ।

औरे किसान फूलमती राना फेन कहली, समयमे मल नैमिलठ्, सिँचाइके समस्या रहल बा । मिहनेत ढेर कैलेसे फेन आम्दानी नैहोके गहुँ खेतीप्रति रुचि घट्टी गैल बा । कञ्चनपुरके किसान सुरेश चौधरीके अनुसार आधुनिक कृषि उपकरण प्रयोग करुइया किसान कुछ सहजता पैले बटै । मेसिन प्रयोग करेबर काम हाली ओ सजिल हुइठ्, उत्पादन फेन बह्रठ् । मने सक्कु किसानसँग ओइसीन सुविधा नैहो । सरकार साना किसानसम प्रविधि पुगाइ परल, उहाँ कहली ।

यहोर, कञ्चनपुरके दक्षिणी क्षेत्रमे चिनी उद्योग सञ्चालनमे आइलपाछे पाछेक एक दशकयहोर किसान गन्ना खेतीओर आकर्षित हुइल बटै । नेपाल किसान महासंघ सुदूरपश्चिमके अध्यक्ष हरेन्द्रसिंह बिष्टके अनुसार गन्ना खेतीमे बजार सुनिश्चित हुइल ओरसे किसान गोहुँ छोरके गन्ना लगैना ओर लागल बटै । कञ्चनपुरके दक्षिणी क्षेत्रमे दुइठो बरवार चिनी उद्योग सञ्चालनमे रहल बटै । कैलाली ओ बर्दियामे समेत चिनी उद्योग विस्तार हुइना क्रममे रहल ओरसे आगामी दिनमे गहुँ खेती आउर घट्ना सम्भावना डेखल बा ।

प्रदेश सरकारसे कृषिके आधुनिकीकरण, सिँचाइ विस्तार, उन्नत बीउ प्रवर्द्धन तथा यान्त्रीकरणहे प्राथमिकता डेहल (बाँकी, ३ पेजमे)

मुक्त कमैयाहे अनुदानमे आवास निर्माण

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ५ बैशाख । शुक्लाफाँटा नगरपालिका-१० झलारीके मुक्त कमैया तथा मुक्त कमलरी परिवारके लाग सुरक्षित आवास निर्माण आघे बढाइल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके लागत साझेदारीमे १५ मुक्त कमैया परिवारके लाग घर निर्माण प्रक्रिया सुरु करल हो ।

नगरपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत खेमराज बिष्टके अनुसार मुक्त कमैया, हलिया तथा कमलरी पुनर्स्थापना कार्यक्रमअन्तर्गत उपभोक्ता समितिमार्फत आवास निर्माण आघे बढाइल बा । "मन्त्रालय, नगरपालिका ओ गैरसरकारी संस्था बीच आवास निर्माणके लाग सम्झौता हुके काम आघे बह्रल बा," उहाँ कहलै ।

उहाँक अनुसार सुरक्षित आवास निर्माणके लाग मन्त्रालयसे रु ५२ लाख ५० हजार बजेट उपलब्ध करैना सहमति करले बा । प्रति आवास रु तीन लाख ५० हजारके दरले रकम प्रदान कैना सहमति हुइल अधिकृत विष्ट जानकारी डेलै । नगरपालिकासे 'मुक्त कमैया, हलिया तथा कमलरी पुनर्स्थापना सम्बन्धी कार्यविधि, २०८०' अनुसार छनोट हुइल लाभग्राहीके लाग आवास निर्माण करैना जिम्मेवारी लेहल बा ।

शुक्लाफाँटा १० के अध्यक्ष लालबहादुर ऐरके अनुसार चालु आर्थिक वर्षके वडाके लाग विनियोजित स्वीकृत बजेट मध्येसे रु २१ लाख ७५ हजार लागत साझेदारी करल बा ।

"प्रति आवास निर्माणके लाग रु एक लाख ४५ हजारके दरले रकम उपलब्ध करैना बा," उहाँ कहलै । निर्माण हुइना प्रत्येक घरमे दुई सुत्न कोठा, एक भान्सा, एक शौचालय तथा स्नानकक्ष रना बा ।

हालसम सुरक्षित आवास नैहुके मुक्त कमैया ओ कमलरी परिवार कच्ची झुपडीमे असुरक्षित रूपमे बैठटी आइल रहिट । "विषालु सर्प, बिच्छीके डर, आगलागीके जोखिम ओ वर्षामे छाना चुहन समस्या रहे," वडा अध्यक्ष ऐर कहलै, "नयाँ आवास निर्माणसँगे यी समस्या समाधान हुइना विश्वास लेहल बटी ।"आवास निर्माण तथा घर नक्सा पास कैना जिम्मेवारी नगरपालिकाके रना बा । कुल लागतके कम्तीमे १० प्रतिशत योगदान लाभग्राही स्वयंसे व्यहोरेपर्ना व्यवस्था करल बा ।

निर्माण सम्पन्न हुइलपाछे प्रगति प्रतिवेदन मन्त्रालयमे पेस कैना बा ओ मन्त्रालयके समन्वयमे घर लाभग्राहीहे हस्तान्तरण कैना बा ।

हस्तान्तरणपाछे मर्मतसम्भार तथा संरक्षणके जिम्मेवारी लाभग्राहीके बटाइल बा ।

यी कार्यक्रमसे मुक्त कमैया तथा कमलरी समुदायके दीर्घकालीन आवास समस्या समाधानमे महत्त्वपूर्ण योगदान पुग्न विश्वास करल बा ।

ओस्टेक करके, गैल आवमे वडा कार्यालयके पहलमे सिमलखेतके सुरक्षित आवास विहीन दलित समुदायके लाग निड्स नामक गैरसरकारी संस्था संगके लागत साझेदारीमे ११ सुरक्षित आवास निर्माण करल रहे । प्रति रु छ लाख ५० हजारमे निर्माण हुइल आवास दलित समुदायहे हस्तान्तरण करल रहे ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

धनगढी-१ के चौधरी मृत्यु प्रकरण:

एक्के परिवारके चार पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ५ बैशाख । धनगढीमे छिमेकीके घरमे मरल कुकुरा हेरे गैल एक व्यक्तिके मृत्यु हुइल घटनामे प्रहरीसे एक्के परिवारके चार जनहनहे पक्राउ करले बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-१, बुद्धमन्दिर क्षेत्रके ५६ वर्षीय पतिराम चौधरीहे शुकके रात छिमेकी महेश श्रेष्ठ ‘अपन कुकुर मरल कहटी घरमे बोलाके लैगिल रहिट ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके सहायक प्रवक्ता प्रहरी निरीक्षक कैलाश बिष्ट चौधरीके घरमे रहल कुकुर अपन कुकुर मारल आरोप लगैटी श्रेष्ठ रातिके ११ बजे चौधरीहे अपन घर लैगिल प्रारम्भिक अनुसन्धानसे खुलल जानकारी डेले बा ।

घटनाके अनुसन्धानके लाग प्रहरीसे महेश श्रेष्ठ, उहाँक डाई सुमित्रा श्रेष्ठ, डाडु दिनेश श्रेष्ठ ओ भाउजु ज्ञानु श्रेष्ठहे नियन्त्रणमे लेले बा । मृतकके गोसिनीयासे ‘कर्तव्य ज्यान’ मुद्दामे किटानी जाहेरी डेहलपाछे चारु जनहनहे पक्राउ करल प्रहरी जनैले बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालयसे शुकके जाहेरी दर्ता करके घटनाबारे थप अनुसन्धान आघे बह्रेले बा ।

घटना का हो ?

मृतक चौधरी ओ श्रेष्ठ परिवार छिमेकी हुइट । दुनु घरबीच करिब १०० मिटर दूरी बा । वैशाख २ गते श्रेष्ठके घरमे पालल कुकुर मरल रहे । चौधरीके घरमेफे एक ठो लाल रङके कुकुर अइना जैना करे, जिहीहे परिवारसे औपचारिक रूपमे पालल भर नैरहिट । श्रेष्ठ उहे कुकुरसे काटके अपन कुकुर मारल दाबी करटी शुकके रात करिब ११ बजे चौधरीहे उठाके अपन घर लैगिल रहिट । मृतकके गोसिनीया रूपा चौधरीके अनुसार आधा (बाँकी,३ पेजमे)

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

नारीवादी दृष्टिकोणके आधारम बुढनी उपन्यासके विश्लेषण

मानबहादुर चौधरी “पन्ना”

लेखसार

यि अध्ययनम इन्दु थारूद्वारा लिखल बुढनी उपन्यासके नारीवादी मूल्य, मान्यता ओ दृष्टिकोणके आधारम विश्लेषण कैगिल बा । यी अध्ययनम पुस्तकालय विधिके प्रयोग कैक गुणात्मक प्रकृतिके वर्णनात्मक ओ संश्लेषणात्मक ढाँचामा कैगिल बा ।

बुढनी उपन्यासह प्राथमिक स्रोत ओ सन्दर्भ पुस्तक एवम् अन्य विभिन्न लेख, अनलाइन सामग्री, जर्नल द्धितीय स्रोतके रुपम लेकन विश्लेषण कैगिल बा । उपन्यासम नारीवादी सिद्धान्त ओ मान्यताके आधारम समाजम लैङ्गिक सम्बन्ध, वर्गीय चिन्तन, निम्न वर्गप्रति पितृसत्तात्मक धारणा, नारीवादी चेतना र स्वतन्तत्रा, नारी सङ्घर्ष आदिके आधारम विश्लेषणात्मक रुपम व्याख्या कैगिल बा । बुढनी उपन्यासके आधारम समाजम उच्च वर्ग, ठूलावडा मनै निम्न वर्ग उपर कसिक थिचोमिचो, अन्याय, अत्याचार र दमन शोषण कर्ठ कना बात यी लेखम डेखागिल बा । प्राकृतिक विपत्ति, वर्गीय विभेद, श्रम शोषण, कर्ठ ? समाजम नारी वर्गप्रति हेर्ना दृष्टिकोण सामाजिक विकृति ओ विसङ्गतिह चिरफार कैगिल बा । बुढनी उपन्यासम आइल पुरुष पात्र कोर्विन, अधिपति रज्वा, धर्माधिकारी, क्याप्टेन, कमाण्डर, सिपैह्र्या असक खल पात्रके रुपमे चित्रित बाट कलसे बाबा बघवा विद्रोही ओ अन्यायके लाग लर्ना पात्रके रुपम केयत सहयोगी पात्रके रुपम चित्रित बा । ओसहख सिमान्तकृत पात्र बुढनी, बाबा (सुर्या), डाइ (चुनु), बुढनीके संघर्या चाँद गाउँके मनै जुन गरिब निम्नवर्गके बट । शासक सामन्ती वर्ग हुनकन उपर गरिबी ओ परिस्थितिसे खेल्ठ कना बात वर्गीय विभेदह केरागिल बा । नारीप्रति हेर्ना नजरियाबारे फे अध्ययन कैगिल बा । आपन हक अधिकार ओ न्यायके लाग जन्नी मनै अप्नेहे सशक्त ओ जुझारु हुनुपर्ठा कना बातके वकालत कैगिल बा ।

शब्दकुञ्जी : राहा, नारीवाद, ढरमपोठी, पितृसत्ता, महिलाके पिरा

परिचय

साहित्यके विविध विधामध्ये आख्यानात्मक विधाके रुपमा स्थापित “उपन्यास” शब्द “उप” उपसर्गवादी पद पूर्वम हुइना “न्यास” शब्दके संयोजनमसे निर्मित हुइलक हो । यकर शाब्दिक अर्थ “समिप (लग्घु) मिलाक ढर्ना” बुझ्जाइठ । (सुवेदी २०५६, पृ. १) और व्यूपत्तिअनुसार “अस” धातुके आगओहर “उप” ओ “नि” उपसर्ग जोर्ख ओम्न “घञ” प्रत्ययके समेत सन्धि होकन बन्ना उपन्यास शब्दले “कौनो वस्तु वा विचारह लग्घ ढर्ना” कना अर्थवोध कराइठ । (बर्मा १९९५, पृ. १३६) तर साहित्य शास्त्रीय धारणाअनुसार उपन्यासके खास अर्थ जिबनमूलक विषयवस्तु वा जीवनसे सम्बन्धित विषयवस्तु यिहीम जिबनके यर्थाथ चित्र अङ्कित हुइल रहठ । स्पष्ट: औपन्यासिक विषयवस्तु मानवीय जिबनसे सम्बन्धित हुइलक ओहर्से आधुनिक उपन्यास जिबन अनुरुप सत्यके प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति हो । (प्रधान २०४०, पृ.४) यह सन्र्दभम प्राचीन पूर्वीय साहित्यम उपन्यास शब्दके प्रयोग विविध अर्थम उपन्यास शब्द ढैख प्रयोग रहल पाजाइठ ।

साहित्यके विविध विधामध्ये एकठो विधा उपन्यास फे हो । आधुनिक साहित्यम महत्वपूर्ण स्थान अगोट्ख सर्वाधिक लोकप्रियता कमैल बा । यकर मुख्य कारण उपन्यासके रोचकता, वृहत जिबनके परिचय ओ सत्य आभास हो कह सेक्जाइठ । जिबन तथा जगत्ह बहुट लग्घसे हेर्ना, विश्लेषण, मूल्याङ्कन कर्ना ओ समाजके फोटोग्राफी कर्ना डगरम उपन्यास निरन्तर सक्षम र सशक्त रहल बा । थारु भाषा साहित्यम उपन्यास ओत्रा उर्वर नैरलसे फेन लिख्ना क्रम जारी बा । इन्दु थारुके लिखल बुढनी उपन्यास थारु भाषाम लौव प्रयोग हो ।

थारु साहित्यम उपन्यास लेखनम कम कलम चल्लक पाजाइठ । यि विधाम साहित्य सिर्जना एकदम कम बा । आख्यान विधाके अध्ययन करबेर तेजनारायण पञ्जियारके ‘शाक्य बुद्ध’ २०४९ म लिखल पाजाइठ कलसे मौलिक उपन्यास थारु साहित्यकार कृष्णराज सर्वहारीके ‘फुटल करम’ २०५५ म प्रकाशित पहिल कृति हो । कृष्णराज सर्वहारीके ‘थारु साहित्यके इतिहास’ २०७३ म प्रकाशित पुस्तकम जम्माजम्मी १० ठो किल उपन्यास प्रकाशित हुइलक तथ्य प्रस्तुत कर्ल बाट । असिक हेर्लसे थारु भाषाम उपन्यास लेखन कार्य कम हुइल पाजाइठ । इन्दु थारुके बुढनी उपन्यास नारीप्रधान उपन्यासके रुपम लिह सेक्जाइठ । उपान्यासकार थारू आदिवासहुकहनके सामाजिक, सांस्कृतिक ओ आन्दोलनके विषयम काम कर्ना अनुसन्धान कर्ता, अभियन्ता ओ लेखिका हुइटि । उहाँ सामाजिक सञ्जालम फेन नारीवाद, सिमान्तकृत समुदाय थारु समुदायके हक अधिकारके बारेम आवाज उठैटी आइल बाटि । आबक अवस्थाम थारु समुदायके सशक्त नारीवादी दृष्टिकोणसे समाजम समतामूलक बनपर्ठा कना आवाज फे उहाँक लेख रचनाम पाजाइठ । थारु समुदाय लगायत निम्न वर्ग, पिराम परल नारीहुकहनके आवाज उठैना इन्दु थारु साहित्यम लौव स्रष्टाके रुपम उडयीमान लेखिका हुइटि । आधुनिक थारु साहित्यिक क्षेत्रम सामाजिक, सांस्कृतिक ओ राजनीतिक विकृतिह यथार्थपरक ढङ्लगले विश्लेषण कर्ना आख्यानकार हुइटि । थरुहट क्षेत्रके थारुनके पिरा समाजक सुख-दुःख ओ किनारिकृत वर्गके कथा व्यथाह कलात्मक ओ निजात्मक शैलीम लिख्ना हुकाहार विशेषता हुइन् । उहाँ फुटकरम कविता गजल, खोजमूलक लेख रचनासे लेखनके प्रारम्भ कर्लसे फे पाछक चरणम उपन्यास विधाम कलम चलाक परगा डबैल बाटि । उहाँ लिखल सन् २०२५ सालम प्रकाशित बुढनी चर्चाम आइल पोष्टा हो । यह बुढनी पोष्टाके लैङ्गिक, वर्गीय दृष्टिकोणले विश्लेषण कर्ना प्रयास कैगिल बा ।

उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययनम नारीवादी सिद्धान्त ओ मान्यताके आधारम इन्दु थारुद्वारा लिखित बुढनी उपन्यासके आधारम समाजम रहल लैङ्गिक, वर्गीय सम्बन्ध, सामाजिक भूमिकाके बारेम पितृसत्तात्मक धारणा, नारीवादी चेतना र स्वतन्तत्रा, सङ्घर्ष आदि आधारम विश्लेषणात्मक रुपमा व्याख्या कर्ना मूल उद्देश्य रहल बा ।

अध्ययन विधि

यी अध्ययनम पुस्तकालय विधिके प्रयोग कैख गुणात्मक प्रकृतिके वर्णनात्मक ओ संश्लेषणात्मक ढाँचाम रहल बा । बुढनी उपन्यास प्राथमिक स्रोत ओ सन्दर्भ पुस्तक तथा अन्य विभिन्न लेख, अनलाइन सामग्री, जर्नल द्धितीय स्रोतके रुपम लेक विश्लेषण कैगिल बा ।

अध्ययनके सैद्धान्तिक आधार

नारीके पक्षम कैजिना वकालत नारीवाद हो । नारीके विरुद्ध लिङ्गके आधारम कैगिल भेदभाव, दमन, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक ओ वैचारिक शोषण विरुद्ध आन्दोलनके रुपम स्थापित चिन्तन नारीवाद हो । नारीवाद बहुट पहिलसे आन्दोलनके रुपम चलल आन्दोलन हो । बिसौं शताब्दीके मध्यओहर आधुनिक साहित्यके सशक्त आन्दोलनके रुपम स्थापित हुइल पाजाइठ । नारीवादी आन्दोलन विशेषतः पाश्चात्य जगतके नारी प्रतिभाहुक्र महत्त्वपूर्ण योगदान डेलबाट । ‘नारीनके अस्मिता ओ मूल्यह केन्द्रम ढैख साहित्यिक लेखन तथा चिन्तनम केन्द्रित हुइना नारीवादी साहित्यिक चिन्तनके उद्देश्य हो ओ नारीनके उपर हुइटि अइलक सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक, वौद्धिक शोषणके क्रमम नारी ओ नारीमुक्तिके पक्षधर ओहर्से नारीवाद तथा नारीमुक्तिसम्बन्धी चिन्तन देखा परल हो (बराल,२०६४,पृ.६४) ।’

नारीवादी आन्दोलनले नारीनके वास्तविक अस्मिता एवम् स्वतन्त्र पहिचानम जोड डेनाके साथ अनुभव, विचार, क्रियाकलाप एवम् गतिविधिह विशेष महत्व प्रदान करठ । महिलाके सम्बन्धम प्रस्तुत कैगिल विचार दर्शन ओ राजनीति नारीवाद हो । नारीवादह महिलावादके रुपम फे चिहिन्जाइठ । यी वाद पुरुषके तुलनाम महिला पाछ पर्लक ओहर्से महिलाके हित, रक्षाके लाग सङ्घर्ष करपर्ना धारणा रख्ल(ढर्ल) बा । महिला ओ पुरुषके बारेम समान दृष्टिम नाहोक महिलाके बारेम किल चिन्तन कर्ना नारीवादी दृष्टिकोण हो । यिहीले महिला फे पुरुषसरह अधिकार ओ अवसर पाइ परठ कना विचार आग सर्टि नारी पितृसत्ताके विरुद्ध सङ्घर्ष कर्ना अभिप्ररित करठ । (भट्टराई, २०७७, पृ.५) ।

असिक नारीके बारेम चिन्तन, विचार ओ विश्वास आस्था तथा सङ्घर्षके अवस्था इन्दु थारुके बुढनी उपन्यासम कसिक कैगिल बा ? यी उपन्यासम निम्ववर्गको वर्गीय सम्बन्ध, लैङ्गिक विभेद, यौनिकता, पितृसत्तात्मक सोच, शरीर, नारीप्रति समाजको दृष्टिकोण आदि बारे समेत अध्ययनम समेटगिल बा ।

लैङ्गिक अध्ययनके एक्ठो विषयके रुपम रहल नारीवाद जन्नी (महिला)सम्बन्धी विचार, दर्शन ओ राजनीति हो । नारीवादके महिलनके कोणमसे नारीहुकहन हेरठ ओ संसारभर महिलाहुकहन केन्द्र बनाक नारी(जन्निन्)के पक्षम बोल्ना लिख्ना काम करठ । नारीवादी लेखनले चाहिँ नारीके मूल्य मान्यताह स्थापित करठ (बराल, २०५२, पृ.१४०) । ओसहख जन्निन्के अस्मिता ओ मूल्यह केन्द्रम ढैख नारीके हक अधिकार, स्वतन्त्रताके बात नारीवादी साहित्यिक लेखनम भेटाजाइठ । नारीवाद जन्निन्उपर हुइना सक्कु प्रकारके शोषण, दमन ओ थिचोमिचोके विरुद्धम बा । यी एक्ठो बौद्धिक ओ व्यावहारिक आन्दोलन हो जुन सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक आदि अनेक पक्षमसे बोलठ, जिहिम असिन विचार, विश्वास, आस्था ओ आन्दोलन परठ । यिहीमसे जन्निन्के हितके विकासम सघाउ पुगठ कना ठान्जाइठ (गौतम, २०५९,पृ.३४४) ।

नारीवाद माहिलाहुकहन (जन्निन्) दोस्रो दर्जाके विरुद्धम कैजिना व्यवहारके विरोध करठ । महिला (जन्निन)के उपर हुइना दमन, शोषण, अन्याय, अत्याचार विरुद्धम मुक्ति कर्ना ओ नारी स्वतन्त्रताके पक्षम ठिहाइक लाग आवाज उठैटी आइल पाजाइठ । महिलाप्रति कैजिना विभेदह अन्त्य कर्ना, जन्निन सबल, सक्षम ओ पुरुषसरह अधिकार ओ समानताके लाग आवाज उठाइक लाग, महिलाहुकहन केन्द्रम ढैख कृतिके अध्ययन विश्लेषण कर्ना समालोचना पद्धति नारीवादी विचारधारा मान सेक्जाइठ । यह विचारधाराके आधारम ‘बुढनी’ उपन्यासह विश्लेषण कर्ना प्रयास कैगिल बा ।

सामग्री विश्लेषण : प्राप्ति ओ छलफल

उपन्यासके कथानक

उपन्यासकार इन्दु थारुके लिखल ‘बुढनी’ सन् २०२५ प्रकाशित कृति हो । यी उपन्यासम लिङ्गीय (थारु जन्नी)के सम्बन्धह देखगिल बा । दुई खण्डम विभाजित उपन्यासके कथावस्तु रेखीय शैलीम लिखल बा । उपन्यासम पारिवारिक सम्बन्धह प्राकृतिक पंक्षी कौवाहे मानवीकरण कैक स्वैरकल्पनात्मक रुपम मानवीय सम्बन्धह प्रस्तुत कैगिल बा । पशुपंक्षीन पात्र बनाक समाजके यर्थाथताह चित्रण कैगिल यि उपन्यास सामाजिक उपन्यास हो ।

एकठो कौवाके छोटमोट परिवारके कथासे सुरु हुइल बा । उपन्यासके कथावस्तुअनुसार उपन्यासके मुख्य पात्र बुढनीके केन्द्रीयताम उपन्यासके घटनाक्रम अघारी बह्रल बा । कथाको घटनाक्रमअनुसार बुढनीक छोटमोट परिवार रहठ । जहाँ ओकर डाइबाबा बुढनी ओ ओकर भैया बहिनिया रठिस् । बुह्राइल डाइबाबासँग हुर्कल बुढनी ढिरेढिरे जवान हुइटी जाइठ । गाउँघरके लर्कनसँग खेल्टि सुखसे हुर्कठ मने कुछ समय पाछ डाइ आपन ठाँठेमसे निकारडेठिस् । ऊ आफन जिन्गिमे सङ्घर्ष आपन क्षमतासे उरे सेक ओ कुछ करे सेके कैक । जिबनम आइ पर्ना कठिन समस्या ओ चुनौतिसे कसिक बच्ना ओ जिना कना बुद्धि डाइ बुद्धि डेठिस् । ओठेसे ओकर जिन्गिक लौव मोड अइठिस् । ऊ जिन्गी जिए सिखेक लाग टर उपर खुब फोहैटि उरे लेकिन डाइ चिन्ता करिस् । चारुओर दुस्मन रठ , विचार कर परठ छाइ कैक डाइ सिखाइस् तर बुढनी एक कानले सुन्ख दुसर कानले उराडिह ।

बुढनी जब यहोरओहरके दुनिया संसार बुझ्न लागलठ उतब अकेलि बैठ्ना जिना महा कर्रा रलक बात महसुस करठ । ऊ जिन्गीम सत्रु दुस्मनसे लरे सेक्ना सिपफेन सिक्टी गैल । डाइबाबक सिखाइल बात अर्ति जिबनम लागु कर सिकसेक्ल रह । ओकर भैया बाबु फे बहर सेक्ल रहिस् । आपन भैयाबाबुके फेन हेर चाह कर । ढिरेढिरे बुढनी सयान हुइटि जाइठ । एकदिन बुढनी खोल्ह्वाके घंघराम मछरिया पत्र ब्याला दुसर लवण्डा कौवा घंघराससे मछरिया झपोसके लैजाइठ । पैल्ह बहुट लवण्डा कौवासे ढेर रिसाइट तर पाछ यह घटनामसे कोर्विन लवण्डा कौवाके बुढनीक मिलभ्याट हुइठिस् । कालान्तरम लवण्डा कौवा कोर्विन ओ लवण्डि कौवा बुढनीक मैया प्रेम हुइपुग्ठिन् ।

अन्ततः बुढनी कोर्विनह मनरख्ना बनाइट । दुनुजने एक मन एक मुटु बन्जिठ । कोर्विन ओ बुढनीके प्रेम झङ्झङ्ग्यार हुइटि जैठिन् । पारिवारिक सम्बन्धम ठ्न्वा मेह्र्वा बन पुग्ठ । हुकनक लौव घर अर्थात मिल्क सेम्रक रुख्वम ठाँठ बनैठ । कोर्विन फे बहुट खुश रहठ । एक दुसरके लाग जिउ एक बनल रठिन् । ठाँठम बुढनी चारठो आरा पारठ । घोरै बैसठ । टिनठो आरामसे बच्चा जन्मठिस् लेकिन एक्ठोमसे बच्चा हुइ नैसेक्ठिस् । डाइक मन बुढनी दुखी रहठ । ऊ ब्याला कोर्विनके मैया ओ और लर्कन्हक मैयाले दुख बिस्राइठ ।

कोर्विन ओ बुढनी दुनुजे आपन लर्कनके नाउ आरा, लिज्जि ओ मुस्वा नाउ ढर्ठ । दुनुजे आपन बचचनके लाग आहारा खोजखोजके खवैठ । एकदिन कोर्विन लर्कनके लाग चाह्रा खोज गिल ब्यालम सेम्रक रुख्वा काइल बिखार सँप्वा बच्चन खाइक लाग गिल ब्यालम बुढनी ऊ सँपवासे लर्कन बचैना चुनौती रठिस् । रानपासके चिरै और कौवा हुक्के खुब चिल्लाइट तर सहयोग कर्नासे फेन तमासा ह्यारट् । ओह ब्याला उपर बद्रीम चिल्हरिया उरट देख्के बुढनीह और डर लग्ठिस् । ऊ दिन खुबसे चिल्लाइट ठोरले सँपुवाह टरे गिराइठ । पाछ फेनसे उपर रुख्वामे चिउह्र लागट टे चिल्हरिया उही झपोट्लेपठिस् । दुस्मनके घेरामसे बचसक लग्ठिस्, बुढनीह ।

कोर्विन ओ बुढनीक जिन्गीम खुसिक दिन ढेर रह नैपैठिन् । बहुट खडेरीके कारण असार महिनासम पानी नैपर्लक कारण बन्वाम बैठ्ना जिब जनावर, चिरैचिरुङ्गन, किरा फटिङ्गन जिना मुस्किल पर लग्ठिन् टिहुपर हुकनक बैठना बन्वाम आगलागि (राहा) लग्ठिन् । छोट छोट बच्चा रहल ठाँठम टैके आगि लाग कना बुढनीक बहुट धेर चिन्ता रठिस् । जिउँटिउँ बन्वाम आगि बुटठ । खडेरी बहर्टि जाइठ । कोर्विन लडियाम पानी लिह जाइठ् । बुढनी ढेर चिन्ताम रहठ् । कुछदिन पाछ राहा माठुर हुइठ् । बन्वाम बैस्ना सक्कु पशुप्राणीन् आहाराके विपत्ति पर्ठिन् । बुढनीके टिनठो लर्कन का खुवाउ, कसिक बचाउ कना समस्या अइठिस् । सारा बन्वा उजाड हुइल रहठ् । ढेर दिन पानी नैपरठ । खडेरीले बहुट भुखाहि पर्ठिन् । हुकनक लाग प्रकृतिफे भयावन चुनौती बन पुग्ठिन् ।

यह क्रमम कोर्विन महादुर आहरा खोज निक्रठ् । यहर खाइ नैपैलक कारण भुखहि पर्ख मुस्वक ज्यान जिठिस् । बुढनीह आपत पर्ख करु ट का करु कुछ खैनापिना निहो, छटपटाइठ । मनम पिर बठ्ठाले बुढनी खोब रुइठ् । का कर्ना प्रकृतिके लीला सहनाबाहेक दुसर उपाय नै रठिस् । मुस्वाहे आपन ठाँठमसे भुइम गिराइट । कोर्विन चारा (आहारा) खोज गैल लेकिन घुमके नैआइठ । बुढनी अप्नेहे दुर द्‌र लडियासम आहारा खोज जाइठ मुले ऊ खालि घुमके आइठ् । कोर्विन समयम आहारा लेके नैअइलकमे बुढनीह विश्वासघात करलसक लग्ठिस् । मुस्वा मुलक पाछ भारी वर्ष हुइठ । बन्वाम रहल चिरै चुरुङ्गा जियाभरके पानी पिए पैठ । पानीसँगे बरवार आँढिबौखा अइलक कारण बुढनीकउपर दुसर चोट ठप्जिठिस् । आँढिबौखाके कारण ओकर छावा आराके ज्यान जैठिस् । पिरा उपर पिरा सहनाबाहेक और कुछ उपाय फे नैरठिस्, बुढनीक । आप ठाँठम लिज्जि ओ बुढनीकेल रैजिठ । आपन डाडु भैयाके मृत्युपाछ लिज्जिक जिना मन नैलग्ठिस् । आरा ओ मुस्वाके मृत्युले बुढनी बहुट सोचमे परल रहठ् ।

कोर्विन तिन दिन पाछे बिहान घुम्क आइठ् । आपन बाबाहे देख्ख लिज्लि रुइ लागठ । डाइ आहरा खोजे गिल रहठ् । बुढनी फे ठाँठमे एक्ठो चमगेन्द्रिक टुक्रा लेके आइठ् । कोर्विन बुढनीक उपर बहुट रिस उठल रठिस् लेकिन दुनुजे लिज्जिहे मैया कर्ठ । बुढनी दोसर ठाँठ बनैना सोचट । फेनसे लर्का जन्माइ सेकब कना बात कोर्विनसे ढरट् तर कोर्विन बर कर्रसे झोक्काइट् । चार मन्से एकठो किल बचैलो । कोर्विन बुढनीक उपर रिस पोखट । डुनुजहनके वादविवाद हरदिन झगराझाँटि हैमस चल लग्ठिन् । कोर्विन आहरा खोजे गैलम बुढनी उपर का समस्याले बिटैल रठि ऊ केवल लिज्जि ओ बुढनीह किल पता रठिन् । कोर्विन बुढनीक उपर आपन रिस डेखाइ लागठ । मोर लर्कन नानडेउ कैक बुढनीह तनाव डिह लागठ् । कोर्विन बुढनीक पिरा बुझ्ना (बाँकी, ३ पेजमे)

कैलाली भन्सारसे छ अर्ब ३२ करोड राजस्व सङ्कलन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ५ बैशाख । कैलाली भन्सार कार्यालय धनगढीसे रु छ अर्ब ३२ करोड ७१ लाख राजस्व सङ्कलन करले बा ।

कार्यालयसे चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के साउनसे चैत मसान्तसम उक्त परिमाणमे राजस्व सङ्कलन करल हो ।

भन्सार कार्यालयके सूचना अधिकारी प्रकाश तिमिल्सिनाके अनुसार कार्यालयसे उ अवधिमे भन्सार महसुलतर्फ रु दुई अर्ब २९ करोड ४१ लाख, मूल्य अभिवृद्धि करतर्फ रु दुई अर्ब ५२ करोड २४ लाख, अन्त:शुल्कतर्फ रु ११ करोड ९९ लाख ओ अन्यतर्फ रु एक अर्ब ३९ करोड पाँच लाख राजस्व सङ्कलन करले बा । कार्यालयके चालु आर्थिक बरसमे रु नौ अर्ब ७१ करोड १५ लाख राजस्व सङ्कलन कैना वार्षिक लक्ष्य रहलमे नौ महिनामे सङ्कलन हुइल राजस्व वार्षिक लक्ष्यके ६५ दशमलव १५ प्रतिशत रहल उहाँ जानकारी डेलै ।

सूचना अधिकारी तिमिल्सिनाके अनुसार उ अवधिमे चैतबाहेक कौनो फेन महिनामे राजस्व सङ्कलन लक्ष्यमे पुगे सेकल नैहो ।

साउनमे रु ७१ करोड ६१ लाख राजस्व सङ्कलन कैना लक्ष्य रहलमे रु ५७ करोड ८० लाख, भदौमे रु ७४ करोड २१ लाख लक्ष्य रहेकामे रु ५३ करोड ७० लाख ओ असोजमे रु ७६ करोड ७७ लाख लक्ष्य रहलमे रु ६७ करोड ७८ लाख राजस्व सङ्कलन हुइल सूचना अधिकारी तिमिल्सिना जानकारी डेलै । कात्तिकमे रु ८४ करोड ६७ लाख राजस्व सङ्कलनके लक्ष्य रहलमे रु ७२ करोड ५४, मङ्सिरमे रु ६८ करोड ९१ लाख ओ पुसमे रु ७४ करोड ६५ लाख, माघमे रु ६८ करोड ८२ लाख, फागुनमे रु ७६ करोड ४४ लाख ओ बाँकी चैतमे राजस्व सङ्कलन हुइल उहाँ जानकारी डेलै ।

कार्यालयके गत आव २०८१/८२ मे रु ११ अर्ब १६ करोड २६ लाख राजस्व सङ्कलनके वार्षिक लक्ष्य रहलमे रु आठ अर्ब ६६ करोड ९८ लाख सङ्कलन हुइल सूचना अधिकारी तिमिल्सिना जानकारी डेलै । ओहकान अनुसार इ वार्षिक लक्ष्यके ७७ दशमलव ६७ प्रतिशत हो ।

चखौरामे रैथाने स्वादके महोत्सव

पहुरा समाचारदाता

दाङ, ५ चैत । दाङ जिल्लाके दंगीशरण गाउँपालिका–३, चखौरास्थित थारु सांस्कृतिक संग्रहालयके प्राङ्गणमे रैथाने खाना महोत्सवमे सुरु हुइल बा ।

परम्परागत तथा रैथाने परिकारके संरक्षण ओ प्रवर्द्धन कैना उद्देश्यसे पर्यटन डिभिजन कार्यालय, कोहलपुर (बाँके) के सहयोग तथा थारु सांस्कृतिक केन्द्रके सहकार्यमे रैथाने खाना महोत्सवमे सुरु हुइल हो ।

बैशाख ४ से ६ गतेसम चल्ना रैथाने खाना महोत्सवमे रैथाने परिकार ढिक्री, अन्डीक रोटी, घोङगी ओ मासुके टमान परिकार धारल बा । ओस्टे सेलरोटी, योमरी, चाकु, लाखामारी, छोयला लगायतके परिकारफे रहल बा ।

महोत्सवमे थारु समुदायसंगे नेवार, गुरुङ, मगर लगायत टमान समुदायके रैथाने परिकार एक्के ठाउँमे प्रस्तुत करल बा ।

दंगीशरण–३ के रामकली चौधरी गाउँक महिलासँग मिल्के डंगौरा थारु खानाके टेन्ट सञ्चालन करटी परिकार बिक्री करटी रहल बटैली । ओस्टेक प्यारी चौधरीफे अपेक्षासे ढेर बिक्री हुइल अनुभव सुनैटी थारु परिकारके व्यवसायिक सम्भावना उजागर हुइल बटैली ।

महोत्सवमे एक सयसे ढेर परिकार प्रदर्शन तथा बिक्रीके लाग धारल थारु सांस्कृतिक केन्द्रके उपाध्यक्ष शान्ता चौधरी जानकारी डेली ।

नारीवादी दृष्टिकोणके आधारम .....

कोसिस नै करठ् । अत्रासम कि बुढनीह लिज्जिक लग्गे पर नै डेना । रोजदिन बुढनीह गरैना, मार छुट्ना, डुरैटि रना कर लागठ् , कोर्विन । कोर्विन असिन दुर्व्यवहार, अत्याचार ओ पिरा सह नासेक्क बुढनी कुछ डुर चलजाइठ् ।

बहुट भोहर मन लेक दुर गैल बुढनीक केयटसे भ्याट हुइठिस् । केयटह बुढनीक उपर का बिटल बाटिसे कना सब पता रठिस् । बुढनीह केयट सल्लाह डिहट । आपनउपर हुइल अन्यायके विरुद्धम न्यायके लाग रज्वकठे जैना सुझाब डिहट तर बुढनी नैमानठ् । बुढनीक सोच कोर्विनहे नामुवाइटसम अप्न नैमुना बरु रज्वकठे नैजैना विचार रठिस् । करिब तिन चारदिनसम केयट बुढनीह सम्झाइट त बल्ल बुढनी रज्वकठे जैना मन बनाइट । केयटसे सँगे खोल्हवा, लडिया, बनबनेट, मनैनके बाली लागाइल खेट्वा, बस्टि हेर्टि रज्वक डरबारम पुग ।

ओहर रज्वक राजसभाम बहुट मनै, चिरै, किरा, फटिङ्गा, केस्ना आपन आपन पिर बठ्ठा लेक उजुर कर पुगल रठ । रज्वक राजसभाम सबजहनके बयान लेटि धर्माधिकारी ढरमपोठी (किताब)के आधारम फैसला सुनाए ।

ढेर मनैनके पाछ बुढनीक पाल्या अइठिस् । रज्वक एक्ठो सेना कोर्विनह बलाए जाइठ् । जब कोर्विन ओ लिज्जि डुनुजे अइठ । लिज्जि चिल्लाइठ डाइ कैक । बुढनी ढेर दिन पाछ लिज्जिहे देख्लक ओहर्से आपन मन ठाम्ह नैस्याकट ओ लिज्जिहे उक्वारभर लेहठ । छाइडाइके मिलभ्याटले खुसी हुइठ । तर कोर्विन भारी सभाम फेन गुँज्जरटि लिज्जिक लग्घ गैलकम रिसोट्ल बुढनीह ठोरले खोट्क लागठ, छाटि चिठ्ट । केयट डुनुजहनके झग्रा छुटाइट । केयत कोर्विनके उपर रिसोट्ल झपारट् ।

रज्वक धर्माधिकारी कोर्विन ओ बुढनीह अल्गे अल्गे लैजाइठ । बयान लेके सेक्क कोर्विन बिया डरुइया हो, टोहार छाइक उपर अधिकार नैहो । लिज्जि कोर्विनके लागि कैक कहट । बुढनी असिन अन्यायपूर्ण निर्णयके विरोध करठ । कोर्विन बिया डरुइया हो कलसे मै खेट्वा नै हुँ मै त डाइ हु मोर लर्का अनाज नैहो मोर छाइ हो । यी गलत हुइल कहठ् । तर रज्वा ओकर बात सुन्ना पक्षम नैरहठ । बुढनीक पक्ष लेक केयट फे 'महाराज जि यि न्याय नैहो' बिरोध करठ । उल्ट टैं किताबक उपर बात उठैठे कैक सभासे बहार निकार डेठिस् ।

सभामे अधिपति आपन सेनाहे उजर चाउरके घेरा बनाइ लगाइठ ओ कहट 'लिज्जिहे के ढेर मैया करठ यि घेरासे लिज्जिहे ढरो ओ आपन आपन ओर टानो' कहठ् । कोर्विन ओ बुढनी लिज्जिह आपन आपनओर तानिक ताना कर लगठ । यहर लिज्जिक लाग लराइ कराक धर्माधिकारीहुक्र मजाक उरैठ । बुढनी रिस ठाम्ह नासेक्क धर्माधिकारीह ठोरले नोछे जाइठ् । धर्माधिकारी किताबले मठिस् बुढनी रक्तरोहन हुइट । रज्वक सभाके करल फैसलाले बुढनी भरोसा उर जैठिस् । उही सभासे बहार फकाडेठिस् । बुढनी बेहोसीम बर्बरैटि 'मोर लर्का डेउ मै डाइ हुँ ।' बुढनी घायल हुइ रहठ तब्बेहे एकठो मनैया उठाक लैजाइठ् । ओकर कौनो सन्तान नैरठिस् उही छाइ बनैना विचार करठ् ।

उपन्यासके डुसर खण्डमे घहिल हुइल बुढनीके कारुणिक कथावस्तु बा । रज्वक दरबारसे हुइल फैसलासे अन्यायम परल बुढनी बेहोसी रहल अवस्थामे एकठो दयालु परिवारके डाइबाबा उठाके छाइ बनैना उद्देश्यले सेवासुसार कर लैगिल पाजाइठ । जुन परिवारम आपन लर्कापर्का नैरलक कारण बुढनीहे आपन लर्कासक मलमपट्टि कर्ठ । बेहोसी अवस्थाम फेन बुढनी रज्वा, धर्माधिकारी उपर बदलाके भावना जग्ठिस् । डाइबाबक स्याहार सुसारले बुढनी टङ्रटि जाइठ् । बुढनी चुम्मर हुइटि जाइठि त एकदिन बाबा कठिस् –'आबसे महिन बाबा कहहो ।' डाइ फे महिन डाइ कहहो कैक कठिस् । डाइ बुढनीह मैयाले चुनु नाउ ढैडेल रठिस् । बुढनी ठनिक सनच हुइट ओकर पुरान गोही केयट भेट कर अइठिस् । बुढनी मजासे बोल सेक्ना अवस्थाम नैरहट् । बुढनी कहट–'मोर पख्ना उखल बा, गोरम चोट लागल बा, ठोर टुटल बा । यि घरक मनै महि सेवा सुसार कर्ठ । मै सनच हुइम टे टुहारठे अइम् ओ लिज्जिहे खोज्जि ।' केयट बुढनीक बात मजासे नैबुझठ् ओ भेट्ख चलजाइठ् ।

बुढनीह ओह मनैन्के घरम बैठना कर लग्ठिस् । उ मनैअसक झुल्वा फे घालठ् । उहीह गाउँक मनै सबजे चट्टुर लवण्डि कठिस् । सेवा सुसार करल ओह डाइबाबाके मैयाले बुढनीह जिना आस पहुलैठिस् । बुढनी पैल्हसक उर नैसेक्ना हुइल रहठ् । बुढनी बैठ्ना घरम एकठो गैया पल्ल रठ । बुढनी बैठ्ना घरम एकठो गैया पल्ल रठ । जेकर नाउ गोम रठिस् ऊ एकदिन बछरु जन्माइट् । ऊ बछरुक नाउ बुढनीक डाइबाबा चाँद ढैडेठिस् । अकेलि महसुस कर्ना बुढनीक आब चाँद संघर्या बन्जिठिस् । चाँदह हेरचाह ओह बुढनी करठ् । बुढनी लग्घक बनुवाओर डर्वाम चाँदह चह्राए लैजाइठ । ऊ ब्याला बाबा बघवासे भेट हुइठिस् । बुढनी ओ चाँद खुबसे डरैठ लेकिन बाबा बघवा चाँद छोट हुइलक कारण कुछ नैकरठ् । चाँद ढिरे ढिरे बहर्टि जाइठ । एकदिन गाउँक एकठो किसन्वक लाहि खाइठ् । किसन्वा बहुट करसे रिसाइठ ओ बाँसक लठ्ठीले महा जोरसे पिटट् । बुढनी रोइ लागठ । आब नापिटो कैक अर्जि करठ । घर पुगलम बुढनीक मन भोहर हुइल रठिस् । डुसर बिहान्नी किसन्वा बरघरसे कचेहेरी बलाख बुढनी ओ चाँदके बारेम छलफल कराइठ् । बछ्वाहे बेचो ओ लवण्डिक भोज कैडेउ कहट् । तर बुढनी यि बातम घोर बिरोध करठ् ।

उ दिनसे बुढनी चाँदहे जेकरटेकर बालीम है कर्ना पैस्ना काम कर निडेहट । ओह दिनसे बुढनी बन्वक लग्घच चाँदहे चह्राए लैजाए । बाबा बघवासे बुढनी भेट हुइठिस् । चाँद ओ बुढनी डरैठ । बाबा बघवा कहट् । चाँद मजासे ठुल्हाइल नैहो, मोर खैना लायक निहो छुट्की कौवा बाबु कैक टिबोली मारठ् ।

एकदिन रज्वक सिपैह्रया गाउँक बन्वाम दिउटन बली चह्राइक लाग उज्जर मुस्वा पक्र गैल रहठ् । उ सिपैह्रया बाबा बघवक फ्याला परठ् । बाबा बघवा सिपैह्रयाहे मारक लाग रहठ, बेस्मारी डक्ल्याइट् । यहाँसे भाग नै टे टोर मु फे खाडेम कैक चेतावनी डिहट् तर सूर्या यि रज्वक मनैया हो कहट् त सिपैह्रयक ज्यान बच्ठिस् । खँढ्राम रलक उज्जर मुस्वा बुढनी खोल्डेहट् । मुस्वा खोब खुसी हुइटि आपन घरओहर फुन्नैटि जाइठ् । उज्जर मुस्वा आन नैसेक्लकम फेनसे रज्वा क्याप्टेनके कमाण्डरम उज्जर मुस्वा पक्र अइठ तर निभेटैठ । गाउँम बुढनीक बाबक घर जाक मुस्वा भगैना बुढनी हो कहट् । क्याप्टेन बुढनीहे दरबार जाइ पर्ना आदेश करठ् । सिपैह्रयक ज्यान जोगैनु उल्ट यहाँ बदला लिह आइलबटो कैक बुढनीक बाबा रिसाइट् । मोर छाइह महिसे डुर कराइटो कैक विरोध करठ् । क्याम्टेन बुढनीहे छोरके बाबाहे पकर्ख लैजैठ । एक अठ्वारसम कुछ अत्तापत्ता निहुइलक कारण गाउँक बरघर सहर जाइठ, ओह घुम्ख नैआइट् । यहर डाइ ओ बुढनी सोचमे परल रठ । बुढनीक डाइ चिन्ता करिस् । घरम सुखशान्ति हेराइल रठिन् ।

एकदिन बुढनी अप्नेहे सहर जैना विचार करठ् । बाबा बघवा सहर नैजैना सल्लाह डेठिस् । सहरम कपटी मनै किल बाट टुहिन माटिम किचुलके मारसेकही, टुहार इज्जत मेटैही, नाजाऊ छुट्की कौवा बाबु । तब्बु फे बुढनी हिम्मत कैक रज्वक दरबार जाइठ् । उहिह दरबारम धर्माधिकारी पुछ्ठिस् । टुहि भित्रर के पैस डिहल ? टु के हुइटो ? उहाँ सभामे गाउँक बरघर फे रह । यि त सूर्याके छाइ हुई, बरघर बटाइल । बुढनीक बाबाहे दुईजे भाला लेले लेक अइलिस् । बुढनी आपन बाबाहे लिह आइल बटाइट् । धर्माधिकारी खिट्टायसक हाँसट् । कुल डेउटन चह्राइक लाग उज्जर मुस्वा नैहुइलक ओर्से पूजा बिग्रलक कारण सूर्याह जेल जाइपर्ना फैसला अधिपति सुनाइठ् । यि न्याय नैहुइल कैक बरघर अधिपतिक निर्णयके विरोध करठ । खँढ्रामसे उज्जर मुस्वा भगैना मै हुँइट्, बुढनी कहल । यहाँ उज्जर मुस्वा काखर चाहल ? यि कसिन नियम हो ? हमार बन्वाम असिन निहुइट् । अधिपति हाँसट्, टुहार बन्वा । बुढनी झोक्कैटि 'हाँ, हमार बन्वा जहाँ हम्र डिउटन झाला, पट्या, फुला चह्राख पुजा पुज्ठि । बिना पुज्ल ना बइर, ना बन्कस या भुवा न सिकार कुछ नै नन्ठी ।' तर धर्माधिकारी ओकर बात नैमानठ् । सभाम उपस्ठिट रहल गाउँक बुहुर्वा बोलट 'हम्र गाउँम ढेर मिहिनेत कठिं, अनाज फरैठि । बड्रिमसे पानी बर्सठ, कभुकाल हमार खेट्वा लैजाइट ऊ ब्याला टुह्र कहाँ रठो ? जहाँ टुन्हक कानुन नैहो उहाँ हकडक फे नैहो ।' कति बिरोध जनाइठ्। कमजोर मनैन हटाइक लाग भारी मनै नियम बिगठ । ढेर विरोधके कारनसे बाध्य होक सूर्याह छोर पर्ठिन् ।

यी लेखके बाँकी अंश क्रमशः काल्हके अंकमे प्रकाशित हुई ।

धनगढी–१ के ....

घण्टासम गोसिया नैलौटलपाछे उहाँ श्रेष्ठके घर पुगल रहिट । उहाँ पुगेबेर पतिराम सिँढीटरेढलल अवस्थामे बेहोस भेटल रहिट ।

उहाँ अनुसार श्रेष्ठ परिवारसे चौधरीहे बरफ ओ पानीसे सेक्टी रहल डेखल रहे । 'कुकुरसे काटके मारल डेखैम कहटी लैगिलपाछे गोसियक हत्या करल उहाँक आरोप बा ।

रूपासे शरीरमे बाहिरी चोटपटक डेखल ओरसे हत्या हुइल दाबी करले बटी । मने श्रेष्ठ परिवारसे भर चौधरीउप्पर कौनो कुटपिट नैकरल, सिँढीसे गिरेबेर घटना हुइल दाबी करटी आइल बा । प्रहरीसे नियन्त्रणमे लेना आघे सञ्चारकर्मीसँग बाट करटी श्रेष्ठके डाई सुमित्रासे चौधरी सिँढीसे तरे उटरेबेर गिरल बटैली ।

उहाँक अनुसार बेहोस हुइल चौधरीहे होसमे ल्यानेक लाग पानी ओ बरफ प्रयोग करल रहे ।

प्रहरीसे प्रारम्भिक अनुसन्धानमे चौधरी श्रेष्ठके घरमे बेहोस अवस्थामे फेला परल ओ अस्पताल पुगाइलपाछे मृत्यु हुइल पुष्टि हुइल जनाइल बा । घटनाबारे विस्तृत तथ्य अनुसन्धानपाछे केल्ह खुल्न जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली जनैले बा ।

गाँहु ....

जनैले बा । भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्री वीरबहादुर थापाके अनुसार सिँचाइ पूर्वाधार विस्तार, अनुदानमे कृषि उपकरण वितरण, उन्नत बीउ उपलब्ध करैना तथा किसानहे तालिम डेना कार्यक्रम सञ्चालनमे लन्ले बा । गोहुँ, धानलगायतके खाद्यान्न बाली उत्पादन वृद्धि कैना विशेष कार्यक्रम आघे सारल उहाँ बटैलै ।

इहे बीच, संघीय सरकारसे चालु आर्थिक बरसके लाग गोहुँके न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रतिक्विन्टल ३ हजार ९ सय ४५ रुपैयाँ निर्धारण करले बा, जौन गैल बरससे ७७ रुपैयाँ ६२ पैसा ढेर हो ।

कृषि प्राविधिकहुक्रनके अनुसार उत्पादन क्षेत्र ढेर रलेसे फेन उत्पादकत्व कम हुइना सुदूरपश्चिमके मुख्य चुनौती हो । समयमे सिँचाइ, मलखाद ओ आधुनिक प्रविधिके पहुँच विस्तार करे नैसेकके गहुँ उत्पादन आभिन घट्ना जोखिम रहल उहाँहुक्रनके कहाइ रहल बा ।

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

मेगनम सावउस परिवार

घोडाघोडी-१२, वनवर्षा, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

सिर्जनशील सावउस परिवार

भजनी-९, भुरुवा, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

जनजागृति सावउस परिवार

घोडाघोडी-१०, झिरोखा, कैलाली

विपद् व्यवस्थापन कार्यदलहे उद्धार सामग्री

पहुरा समाचारदाता

सुखड, ५ बैशाख । कैलाली जिल्लाके चार स्थानीय तहके विपद् व्यवस्थापन कार्यदलहे बाढ तथा अन्य विपद्के बेला खोज, उद्धार ओ राहत कार्यमे प्रयोग हुइना सामग्री हस्तान्तरण करल बा ।

दिगो विकास समाज भजनी ओ वर्ल्ड भिजन इन्टरनेशनल नेपालके साझेदारीमे सञ्चालित "बाल समृद्धि र एकीकृत विकासका लागि हातेमालो" परियोजना मार्फत उ उद्धार सामग्री उपलब्ध कराइल हो ।

कैलालीके घोडाघोडी नगरपालिका, भजनी नगरपालिका, गौरीगंगा नगरपालिका ओ कैलारी गाउँपालिका भिटरके ९ ठो विपद् व्यवस्थापन समितिहे उद्धार सामग्री हस्तान्तरण करल बटाइल बा ।

एक ठो समितिहे ४० हजार ९ सय ७७ बराबरके सामग्री उपलब्ध कराइल दिगो विकास समाज भजनीके बजार संयोजक विनोद शाह जानकारी डेलै ।

यकर साथे घोडाघोडी नगरपालिका मे रहल स्थानीय आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रहेफे विपद् सामग्री हस्तान्तरण करल उहाँ

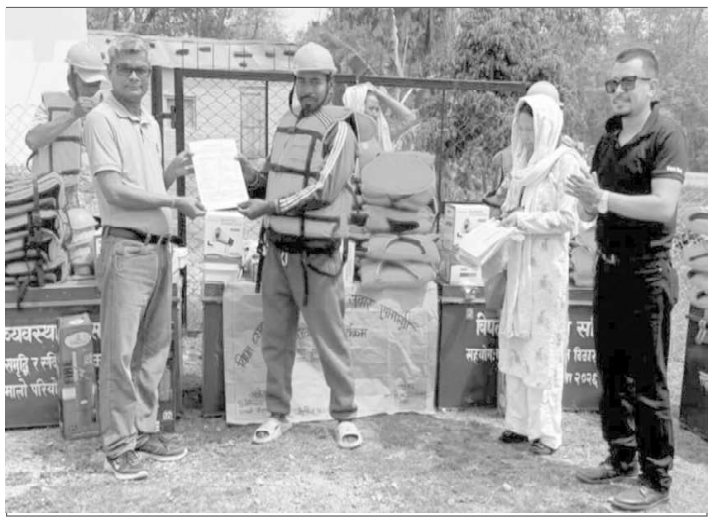

बटैलै । सक्कु करके करिब ३ लाख ६० हजार बराबरके सामग्री वितरण करल जानकारी डेलै । उद्धार सामग्री हस्तान्तरण कार्यक्रममे बजार संयोजक विनोद शाह परियोजना तथा सामग्री हस्तान्तरणके उद्देश्यबारे जानकारी डेहल रहिट ।

घोडाघोडी नगरपालिकाके नगर प्रमुखडक बहादुर रावत विपद् व्यवस्थापन समितिके प्रतिनिधिहे सामग्री हस्तान्तरण करल रहिट । प्राप्त सहयोगसे विपद्के बेला उद्धार कार्यमे भारी सहयोग पुग्न नगर प्रमुख रावत बटैलै । कुछ महिना आघे परियोजनासे विपद् व्यवस्थापन कार्यदलके सदस्यहे तीन दिने क्षमता विकास तालिम समेत डेहल रहे । कार्यक्रममे दिगो विकास समाज भजनीके महिला आर्थिक सशक्तीकरण अधिकृत प्रगति पौडेल, सामाजिक परिचालकद्वय छेदु चौधरी ओ सविता चौधरी लगायतके उपस्थिति रहल रहे ।

जबरजस्ती करणी अभियोगमे पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ५ बैशाख । ५० वर्षीया महिलाहे जबरजस्ती करणी करल अभियोगमे जिल्ला कञ्चनपुर लालझाडी गा.पा. ४ बैठना वर्ष ३२ के राजकुमार रानाहे प्रहरी पक्राउ करले बा ।

राजकुमार राना उ महिलाहे जबरजस्ती करणी करल कना उजुरीके आधारमे इलाका प्रहरी कार्यालय बेलौरी,कञ्चनपुरसे खटल प्रहरीसे उहाँहे पक्राउ करल हो । यी सम्बन्धमे प्रहरी आवश्यक अनुसन्धान करटी रहल बा ।

ओस्टेक करके बालयौन दुरुप्रयोग मुद्दामे ३ महिना कैद सजाय ओ रु. ५ हजार जरीवाना तोक्के फरार रहल कञ्चनपुर लालझाडी गा.पा. वडा न.६ चान्देव बैठना वर्ष ६५ के प्रेम बहादुर ऐरहे इलाका प्रहरी कार्यालय बेलौरी,कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी टोली पक्राउ कर बा ।

मरल बोइलरके शिकार खाके डाडुभैयाके मृत्यु, डाई ओ छुटकी भैयाफे विमार

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ५ बैशाख । कैलालीमे मरल बोइलरके शिकार खाके बिमार हुइल दुई लर्कनके मृत्यु हुइल बा ।

बिफेक रोज मरल बोइलरके शिकार खाइल चुरे गाउँपालिका-३ के भक्तपुर बैठना ५ वर्षीय दिपक ताम्राकार ओ ८ वर्षीय भीम ताम्राकारके मृत्यु हुइल प्रहरी जनैले बा ।

ओइने दुनु जाने सग्या डाडुभैया हुइट । जिल्ला प्रहरी कार्यालयके सहायक प्रवक्ता प्रहरी निरीक्षक(इन्स्पेक्टर) कैलाश बिष्ट दुनु जानेक उपचारके क्रममे शुकके सेती प्रादेशिक अस्पतालमे मृत्यु हुइल बटैलै ।

उहाँक अनुसार बोइलरके शिकार आइल मृतकके डाई २८ वर्षीया राधिका ताम्राकार ओ उहाँक छुटकी छावा ३ वर्षीय दिपेश ताम्राकारके प्रादेशिक अस्पतालमे उपचार हुइटी रहल बा ।

घटना बिफेक रोज हुइलेसेफे प्रहरीहे

शुकके केल्ह खबर करल रहे । ओकरपाछे प्रहरीके समन्वयमे ओइने चारु जनहनहे उपचारके लाग धनगढी ल्यानल रहे ।

ओइने मरल मुरगीके शिकार स्थानीय विकास पोल्ट्री फार्मसे खरिद करल पाइल प्रहरी जनैले बा ।

फार्म सञ्चालक मंगल साउद अपनही इलाका प्रहरी कार्यालय मालाखेतीमे उपस्थित हुके कागज करले बटै । उहाँहे बोलाइल बखत हाजिर हुइना करके आफन्तके जिम्मा लगाइल प्रहरी जनैले बा ।

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

हरियाली सावउस परिवार

भजनी-९, खुरहुरिया, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

घोडताल सावउस परिवार

भजनी-९, हिम्मतपुर, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

सुर्य सावउस परिवार

भजनी-४, कुँडी, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

शंकर सावउस परिवार

जोशीपुर-३, बन्जरिया, कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली